



खबरें छुपाता नहीं, आपता है

शाह टाइम्स

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR
कोड स्कैन करें।
मुफ्त पढ़ें E-paper

मुरादाबाद, गुरुवार 10 अप्रैल 2025 मुरादाबाद संस्करण: वर्ष 22 अंक 240 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

11 अप्रैल 1446 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, भेट व लखनऊ से प्रकाशित

shahtimes2015@gmail.com

चैर शुभ पक्ष 13 विक्रमी सप्तम 2082

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

C M Y K

सम्पादकीय

गुरुवार, 10 अप्रैल 2025

विधेयक पर राजनीति

यह देखना बेहद विचित्र है कि जहां वक्फ संशोधन बिल लोकसभा व राज्यसभा में पारित होने के बाद राष्ट्रपति मुर्मू के हस्ताक्षर होने पर कानून का रूप ले चुका है, और आठ अप्रैल से इस विधेयक की अधिसूचना भी जारी कर दी है। तब पश्चिम बंगाल व जम्मू-कश्मीर से जिस तरह की खबरें आ रही हैं वह काफी चौकाती भी है और डराती भी है और सोचने पर विवश करती है कि हमारा देश किस ओर जा रहा है। मंगलवार को पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कोलकाता में जैन समाज के एक कार्यक्रम में बोलते हुए साफ बोल दिया कि नया वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया जाएगा। वही नहीं उन्होंने यह भी कह दाता कि जब तक पश्चिम बंगाल में ममता दीदी है मुस्लिम समुदाय की रक्खा की जाएगी। उनके अनुसार बंगाल में धर्म के सिद्धान्त पर ही आगे बढ़ेगी ऐसा करते हुए चाहे उनकी जान भी चली जाए उन्हे कोई प्रवाह नहीं है। वही दूसरी तरफ जम्मू-कश्मीर विधानसभा में वक्फ संशोधन बिल को लेकर लगातार तीसरे दिन भी वहां भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों के बीच कई बार जोरदार हगामा देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के हालात इतने बुरे हो चले हैं कि विधायकों के बीच में हाथापाई हो गई। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भी वक्फ संशोधन बिल के विरोध में हिंसा भड़क उठी जिसमें लोगों का काफी नुकसान भी हुआ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुवेंदु अधिकारी ने अपनी प्रतिक्रिया में जहां ममता बनर्जी को फर्जी हिंदू कहा है। वही यह भी कहा की मुर्शिदाबाद की हिंसा प्री प्लान है। ऐसे इसलिए किया गया ताकि रिक्षक भर्ती घोटाले और 26 हजार शिक्षकों को बख्तास्तीगी से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। असल में वक्फ संशोधन विधायक तीन व चार अप्रैल को देर रात लोकसभा व राज्यसभा से पारित हो गया था। इसके बाद पांच अप्रैल को राष्ट्रपति मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद यह कानून का रूप ले चुका है। यह पूरी तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया है। यहां यह भी कहना जरूरी है कि लोकतंत्र में जहां संख्या बल महत्वपूर्ण होता है वहीं आपसी सहमति का भी कम महत्व नहीं होता। यह ठीक है कि सरकार कह सकती है कि उसने विधायक को पारित करने में सभी लोकतांत्रिक तरीकों को अपनाया अब क्योंकि उसके पास प्रयाप संख्या बल था तो उसने वक्फ संशोधन बिल को पारित भी करा लिया। लेकिन यह तो कहना ही पड़ेगा तामाम विपक्ष व मुस्लिम संगठन इस विधेयक को मानने के लिए अभी भी तैयार दिखाई नहीं दे रहे हैं। दर्जनभर से अधिक याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट के द्वारा भी पहुंच गई हैं जहां सुप्रीम कोर्ट उनपर 16 अप्रैल से सुनवाई कर सकता है। बेहतर होता कि संख्या बल से इतर लोगों के साथ आम सहमति बनाने पर गंभीरता दिखाती जोकि उसने नहीं दिखाई यही कारण है कि संसद से लेकर सङ्कट क तक और सङ्कट से लेकर अदालत तक इस विधेयक का विरोध दिखाई दे रहा है वैसे अब गेंद सुप्रीम कोर्ट के पाते में है। देखें क्या फैसला आता है।

**प्रधानमंत्री व आरएसएस ने जाति
जनगणना नहीं चाहते**



राहुल गांधी

(महावीर जयंती पर विशेष)

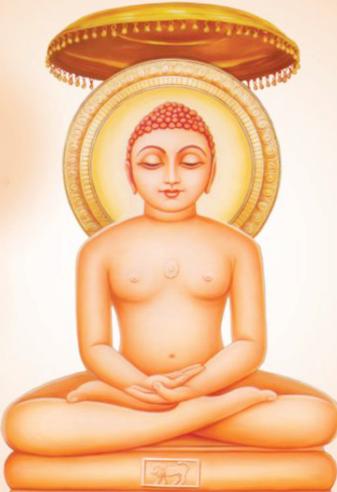
भगवान् महावीरः सत्य-तप और संयुग की शाखत संहिता

‘अहिंसा परमो धर्मः’ के महामंत्रदृष्टा भगवान् महावीर

पतिवर्ष चौत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के दिन जैन धर्म के 24वें और अंतिम तीर्थकर भगवान् महावीर का जन्म-व्रत बना जाता है। महावीर जयते वर्ष 10 अष्टमे को मनाइ जा रही है। जैन धर्म के जीवनकारों के अनुसार भगवान् महावीर का जन्म 599 ईसा पूर्व विहार के कुँडलपुर के राजधानी में हुआ था। भगवान् महावीर ने जीवन पर्यन्त अपने अमृत वचनों से समस्त मानव जरिया कर एसी अनुभुव सुनायी दी, जिन पर आधारित मानव चाहे तो इस धरती को स्वर्ग बना सकता है।¹ अहिंसा परमो धर्मः सिद्धांत के लिए जान जाते रहे भगवान् महावीर का अहिंसा दर्शन आज के समय में सर्वाधिक प्रारंभिक और जरूरी प्रतीत होता है। भगवान् वर्तमान समय में मानव अपने स्वार्थ के बरोबरी कोई भी अनुभव कार्य करने और अपने फायदे के लिए हिंसा करने वाले

तत्पर दिखाइ देता है।
महावीर का जन्म हाते ही उनके पिता राजा सिद्धार्थ के साथ, मान-प्रतिष्ठा और धन-धान्य में बढ़ि होने लगी थीं, इसीलिए उनका नाम वर्धमान रखा गया था और चक्रिक वर्धमान बचपन से ही बड़े साहसी व निर्भीक थे, इसीलिए उनके पाराक्रम के कारण आगे चलकर वे महावीर के नाम से प्रसिद्ध हुए। आज के परिवेश में हम वर्धमान की समझदारी और जटिल परिस्थितियों में थिए हैं, उस सभी का समाधान वर्धमान महावीर के सिद्धांतों और रसन में समाहित है। यामवान महावीर कहा करते थे कि जिस जन्म में कई भी जीव जैसा कर्म करेगा, भविष्य में उसे वैसा ही फल मिलेगा। वह कर्मानुसार ही देव, मनुष्य, नारक व पशु-पशी की योनि में भ्रमण करेगा। कर्म स्वयं प्रतिर होकर आत्मा को नहीं तब तक बर्क आत्मा कर्मों का आकृति करती है। वह कहते थे कि रूणजनों की सेवा-सुश्रृण करने का कार्य प्रभु की परिचर्या से भी बढ़कर है। अपने जीवनकाल में उन्होंने ऐसे अनेक उपरक्ष और अमृत बचन दिए, जिन्हे अपने जीवन तथा आचरण में अमल में लाकर हम

जैन धर्म के जानकारों
भगवान महावीर का जन्म
599 इसी पूर्व बिहार के
कुंडलपुर के राजघाराने में
हुआ था, भगवान महावीर
ने जीवन पर्यन्त अपने
अमृत वचनों से समस्त
मानव जाति को ऐसी
अनुपन सौग्रात दी, जिन पर
अगल करके मानव चाहे तो
इस धरती को स्वर्ग बना



अपने मानव जीवन को सार्थक बना सकते हैं। भगवान महावीर का कहना था कि जो मनुष्यों की हिंसा करता है या दूसरों से हिंसा करता है अथवा हिंसा करने वालों का समर्थन करता है तभी उसने एवं बैर बढ़ाता है। अदिसंघ संसार के सबसे महान ब्रह्म करते हुए उत्तर था कि संसार के सभी प्राणी बराबर हैं, अतः त्यागिए और 'जीओ व जीनो दो' का सिद्धांत उ

वे कहते थे कि संसार में प्रयोगे जीव अवध्य है, अतः आवश्यक बताकर की जाने वाली हिंसा भी हिंसा ही है और वह जीवन की कमज़ोरी है। उनके अनुसार छठे-बड़े सिनी भी प्राणी हिंसा करना, बिना दी गई शृंखला स्थवर्य न लेना, विश्वासात्मकी असत्य न बोलना, यह आत्मा निग्रह सद्वृप्तियों का धर्म है। जो लोग कट्ट में धैर्य को स्थिर नहीं रख पाते, वे अहिंसा की साधना नहीं कर सकते। अहिंसक व्यक्ति तो अपने से शरणता

रखने वालों को भी अ

धर्म का लेकर भगवान महावीर का मत था कि धर्म उक्तकृद्द मंगल है और अविद्या, तप व स्वयम उसके प्रमुख लक्षण है। जिन व्यक्तियों का मन सदैव धर्म में रहता है, उन्हें देव भी नमस्कार करते हैं। अपने प्रवचनों में वह कहते थे कि ब्राह्मण मौन में पैदा होने के बाद यदि कर्म श्रेष्ठ हैं तो वही व्यक्ति ब्राह्मण है किन्तु ब्राह्मण कुल में जन्म लेने के बाद भी यदि वह हिंसाजन्य कार्य करता है तो वह ब्राह्मण हो जाता है जबकि नीचे कुल में पैदा होने वाला व्यक्ति अगर सूचाचारणा, सुचिवाच एवं सुकृद्य करता है तो वह ब्राह्मण है। आत्मा के बारे में भगवान महावीर का तक था कि आत्मा शरीर से भिन्न है, आत्मा चेतन है, आत्मा विद्य है, आत्मा अविद्या है। उनका कथा था कि मानव और पशुओं की गतल खानपान के बजह से लोगों के चेहरे पर पिंपलस बहृत ज्यादा निकलने लगता है। ऐसे में स्तन को पिंपलस और रापिमेटेशन फ्री बनाए रखना काफी मुश्किल होता है। अमातीर पर लग महाग-महग स्तनकरण प्रोडोस्टस खिरदेह हैं लेकिन कि भी पिंपलस निकला ही जाते हैं। ऐसा आपके साथ भी हो रहा तो आपको स्तन कंकर के साथ ही अंदर से बाँड़ी डिटोक्स करना काफी जरूरी है। इस लेख में हम आपको नींद एंसें डिप्पिंग की भिगो दें। इसके बाद अगले सुबह छानकर पी लें। यह पाचन का दुरुस्त करता है, लीवर को पी सफाहोता है, कब्ज की समाचार दूर होती है। इससे स्तन अंदर से गतो होती है।

**बार-बार पिंपलस निकल आना
खराब गट हेत्थ हो सकता है वजह**



खराब लाइफस्टाइल और गलत खानापान के बजाए से लोगों के चेहरे पर पिंपलस बहुत ज्यादा निकलने लगते हैं। ऐसे में स्किंक को पिंपलस और पिमेंटेण की बनाए रखना काफी मुश्किल होता है। आमतः पर लगाये मण्डो-मण्डो स्किंक केर प्रोडक्ट्स खरीदते हैं लेकिन फिर भी पिंपलस निकाल ही जाते हैं। ऐसा आपके साथ भी हो रहा है तो आपको स्किं केर के साथ ही अंदर से बॉडी डिटॉक्स करना काफी जरूरी है। इस लेख में हम आपको तीव्र ऐसे डिंक्स की जानकारी देने जा रहे हैं, जिससे आपका गठ हल्वथ बेहतर होगा और आपके चेहरा भी साफ हो जाएगा।

इन 3 हर्बल ड्रिंक्स का सेवन करें

- बॉडी को डिटॉक्स करने के लिए आप त्रिफला वॉटर का सेवन कर सकते हैं। आप रातभर एक
- नीम की डिंक भी बेहद फायदेमंद होती है। नीम की कुछ पत्तियों को पानी में उतारा लें और इसे छानकर पिए। नीम एक शर्द्धिशाली एंटी बॉक्टीरियल है, जो खून को साफ करता है। इसके सेवन से दाम-धब्बों से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा, नीम डिंक गर इंस्ट्रमेशन को रोकता है।
- गिलो ड्रिंक का सेवन करना भी फायदेमंद हो सकता है। गिलोय स्टेम को उतालकर उसका पानी छानकर पिए। इसके सेवन से सूजन और पिग्मेंटेशन कम होती है।

